प्रशासनिक प्रतिवेदन
वर्ष 2022–23

राजस्थान राज्य बुनकर सहकारी संघ लिमिटेड

(राजस्थान सहकारी अधिनियम के तहत पंजीकृत राजकीय उपक्रम)

प्रधान कार्यालय : हैण्डलूम भवन, लक्ष्मी मंदिर सिनेमा के सामने, टोंक रोड, जयपुर

फोन प्रधान कार्यालय :0141–2743213, 2743098 फैक्स :0141–2743705 Email.: bunkarsangh@gmail.com

(प्रतीक झाझड़िया)
प्रबंध निदेशक

मंत्री

राजस्थान राज्य बुनकर सहकारी संघ लिमिटेड, जयपुर

राजस्थान में सहकारिता के क्षेत्र में हाथकरघा उद्योग की प्रगति एवं प्राथमिक बुनकर समितियों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ–साथ बुनकरों की कठिनाईयों को ध्यान में रखकर उनके निवारण हेतु 26 अगस्त, 1957 को शीर्ष सहकारी संस्था के रुप में राजस्थान राज्य बुनकर सहकारी संघ लि., जयपुर का गठन किया गया है। संघ के मूल उद्देश्य निम्न प्रकार है :–

1. प्राथमिक सदस्य सहकारी समितियों द्वारा उत्पादित कपड़े के विपणन की व्यवस्था करना।
2. सदस्य समितियों द्वारा संघ के सूत या स्वयं के सूत से उत्पादित कपड़े के विपणन की व्यवस्था करना।
3. आधुनिक तकनीक एवं डिजाईन का बुनकरों को प्रशिक्षण देना एवं उच्च मूल्य के उत्पादो को उत्पादन करवाना।
4. प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियों का बुनकर बाहुल्य क्षेत्र में गठन करवाना तथा उनके विकास हेतु योजनाएं तैयार करना।
5. केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही हाथकर्घा योजनाओं के अन्तर्गत सदस्य समितियों के बुनकरों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान करना।

1. विभाग का संगठनात्मक ढांचा :–

बुनकर संघ के उपनियमो के अनुसार बुनकर संघ के संचालक मण्डल में 17 सदस्यों का प्रावधान है जिसमें से जिला व केन्द्रीय बुनकर संघो से निर्वाचित दो संचालक एवं प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियों से निर्वाचित 10 संचालक राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से निर्वाचित होते है। पंजीयक सहकारिता विभाग, आयुक्त उद्योग विभाग एवं वित्त विभाग के प्रतिनिधि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान सहकारी संस्था अधिनियम 2001 की धारा 29 के अन्तर्गत मनोनीत किये गये है। विकास आयुक्त हाथकर्घा भारत सरकार अथवा उनका एक प्रतिनिधि संचालक मण्डल का सदस्य है। प्रबंध संचालक बुनकर संघ संचालक मण्डल के पदेन संचालक है। इस प्रकार संचालक मण्डल में कुल 17 सदस्य है। बुनकर संघ में दिनांक 04.04.2018 से निर्वाचित संचालक मण्डल कार्यरत है।

2. स्वीकृत–कार्यरत तथा रिक्त पदो का विवरण :–

प्रबन्ध संचालक बुनकर संघ के सहयोग के लिये बुनकर संघ में सहकारिता विभाग से संयुक्त रजिस्ट्रार स्तर के महाप्रबन्धक के पद पर एवं राजस्थान लेखा सेवा के लेखाधिकारी एवं कनिष्ठ लेखाकार प्रतिनियुक्ति पर बुनकर संघ में कार्यरत है। बुनकर संघ

(प्रतीक झाझड़िया)
प्रबंध निदेशक

में 141 कार्मिकों के पद स्वीकृत है। संघ कार्मिकों के सेवानिवृत होने के पश्चात् लगभग दो दशकों से नई नियुक्तियां (अनुकम्पात्मक नियुक्तियों के अतिरिक्त) नहीं की जा रही है। वर्तमान में बुनकर संघ में 92 पद रिक्त है एवं 49 कार्मिक बुनकर संघ में कार्यरत है, एवं 21 कार्मिक विपरीत प्रतिनियुक्ति पर अन्य विभागों में कार्यरत है। बुनकर संघ में 28 कार्मिको से वर्तमान में कार्य करवाया जा रहा है। जिनमें से 09 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है।

3. **<u>बुनकर संघ के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरुद्व आलौच्य वित्तीय वर्ष में प्रगति एवं विगत तीन वर्षो से तुलनाः–</u>**

सदस्यता :– बुनकर संघ वर्तमान में 504 प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियों का राज्य स्तरीय संघ है। संघ की सदस्यता में केन्द्रीय/क्षेत्रीय बुनकर सहकारी समितियॉ, प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियां में राज्य/भारत सरकार तथा उनके संगठन के प्रतिनिधि प्रतिनिधित्व करते है। प्रत्येक श्रेणी में क्रमशः 25, 10 व 1 हिस्सा निर्धारित है। एक हिस्सा 100/–रुपये का है।

<u>हिस्सा पूंजीः–</u> दिनांक 31.03.2022 को संघ की अधिकृत हिस्सा पूंजी 500.00 लाख रुपये के विरूद्ध प्रदत्त हिस्सा पूंजी 471.27 लाख रुपये है। इसमें केन्द्र सरकार की 5933000/–रुपये एवं राज्य सरकार की 33622100/– रुपये तथा शेष सदस्य बुनकर समितियों की रुपये 7563150/– एवं अन्य की 9250/– है। भविष्य में भी सहकारी अधिनियम के तहत पंजीकृत समितियों को संघ की सदस्यता ग्रहण करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

<u>वित्तीय स्थितिः–</u> बुनकर संघ गत एक दशक से भी अधिक समय के पश्चात 88.26 लाख रु. का लाभ वर्ष 2012–13 में अर्जित किया गया तथा संचित हानि 616.45 लाख रु. हो गयी थी एवं वर्ष 2013–14 में 36.24 लाख रु. की हानि एवं वर्ष 2014–15 में 21.59 लाख रु. की हानि रहने के पश्चात वर्ष 2015–16 में बुनकर संघ द्वारा पुनः 7.09 लाख का लाभ अर्जित किया गया तथा वर्ष 2016–17 में 75.90 लाख की हानि एवं वर्ष 2017–18 में हानि 102.71 लाख होने के कारण 31 मार्च 2018 को कुल संचित हानि 845.80 लाख रु. हो गयी थी। बुनकर संघ द्वारा 2018–19 में पुनः 32.47 लाख का लाभ अर्जित किया गया है। वर्ष 2019–20 में रू 30.33 लाख की हानि हुई है। वर्ष 2020–21 में रू0 24.59 लाख की हानि हुई है। 31 मार्च 2021 को संचित हानि रू 868.24 लाख रू0 हो गयी है। वर्ष 2021–22 में 1094.63 लाख रूपये की बिकी हुई है।

(प्रतीक झाझड़िया)
प्रबंध निदेशक

उत्पादनः– गत लगभग एक दशक से बुनकर संघ में उत्पादन कार्य नही हो रहा था बुनकर संघ में निर्वाचित संचालक मण्डल के गठन के पश्चात सूत लेकर उत्पादन करने का निर्णय किया गया। जिसके अन्तर्गत बुनकर संघ में उपलब्ध सीमित वित्तिय संसाधनों से गत तीन वर्षो में 21 लाख 27 हजार रूपये का सूत लेकर बैडशीटों एवं खेशों का उत्पादन करवाया जा रहा है।

बिक्री :– संघ द्वारा सदस्य प्राथमिक सहकारी समितियों के सदस्यों द्वारा उत्पादित हाथकर्घा उत्पादों की बिक्री की व्यवस्था हेतु राज्य में जिला स्तर पर 13 बिक्री/उत्पादन केन्द्र संचालित किये जा रहे है तथा राज्य के बाहर दिल्ली में संघ बिक्री केन्द्र कार्यरत है। संघ के बिक्री केन्द्रो के माध्यम से हाथकरघा उत्पादित वस्त्रों, जिनमें सी.एस.पी.ओ./राज्य सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर राजकीय विभागों को माल की आपूर्ति सम्मिलित है व अन्य राजस्थानी परम्परागत वस्त्रों की बिक्री की जा रही है। बुनकर संघ गत कई वर्षो से निरन्तर हानि में चल रहा है। राज्य सरकार के सहयोग से बुनकर संघ को लाभ में लाने के लिए बिक्री बढाने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। वर्ष 2005–06 की बिक्री जो कि 346.43 लाख थी की तुलना में वर्ष 2015–16 में रु. 2412.03 लाख की बुनकर संघ के स्थापना के पश्चात अधिकतम बिक्री की गयी थी। वर्ष 2017–18 में 1247.28 लाख की बिक्री की गयी है। वर्ष 2018–19 में 1519.47 लाख की बिकी की गयी है।वर्ष 2019–20 में रू 1157.25 लाख की बिकी की गई है। वर्ष 2020–21 में 1860.20 लाख रूपये की बिकी की गयी है। वर्ष 2021–22 में 1094.63 लाख रू0 की बिकी की गयी है।

अंकेक्षणः– सहकारी अधिनियम के अन्तर्गत सहकारी विभाग द्वारा संघ के लेखो का अंकेक्षण करवाया जाता है। लेखा परीक्षको द्वारा लगाये गये आक्षेपों की पूर्ति कर 2017–18, 2018–19, 2019–20 की ऑडिट रिपोर्ट का अनुमोदन करवाया जा चुका है। वर्ष 2020–21 के ऑडिट का कार्य प्रकियाधीन है।

4. आलोच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धि :–

बुनकर संघ की सदस्य समितियों के उत्पादों को चिहिन्त कर DO&IT के माध्यम से ई–मार्केटिग प्रारम्भ कर दी गई है। ग्रामीण अचल की अनुसूचित जाति के बुनकरों की 6 आदर्श हाथकरघा प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियों को बुनकर संघ की सदस्यता प्रदान कर नियमित रोजगार के अतिरिक्त अवसर प्रदान करवाये जा रहे है। बुनकर संघ द्वारा राज्य के हाथकरघा वस्त्रों को निर्यात के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार

(प्रतीक झाझड़िया)
प्रबंध निदेशक

की हैण्डलूम एक्सपो प्रमोशन कॉन्सिल की सदस्यता प्राप्त करने की कार्यवाही प्रकियाधीन है। HEPC के सदस्य को राज्य के हाथकरधा उत्पादों को निर्यात हेतु उपलब्ध करवाया जा रहा है। वर्ष 2020–21 में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अन्तर्गत शहरी क्षेत्र के 3000 बेरोजगार युवाओं (18 से 35 वर्ष) को कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

5. **सार–संक्षेप (Executive summary):–**

बुनकर संघ द्वारा प्रथम चरण में नई दिल्ली स्थित बिक्री केन्द्र को प्रारम्भ कर बिक्री शुरु की गई। इसके अतिरिक्त आज के प्रतिस्पर्धात्मक बाजार एवं अत्याधुनिक शोरुम के माध्यम से नित्य नवीन फैशन के वस्त्रों की बिक्री केन्द्रों को देखते हुए संघ ने भी जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, नई दिल्ली स्थित बिक्री केन्द्रो का नवीनीकरण कार्य करवाया गया है। इन शोरुमों को वातानुकूलित एवं नवीन साजसज्जा करवाकर आधुनिकतम स्वरुप प्रदान किया जाकर नवीनीकरण के पश्चात् प्रारम्भ किया जा चुका है एवं संघ द्वारा अपना लोगो **''बुनकर''** के पंजीयन की कार्यवाही पूर्ण कर नियमित उपयोग में लेना प्रारम्भ कर दिया है। बुनकर संघ द्वारा सदस्य समितियो के उत्पादो की ऑनलाईन बिक्री e-bazar के माध्यम से प्रारम्भ की जा चुकी है। राज्य के हाथकर्घा उत्पादो को राज्य के बाहर ग्लोबल स्तर पर बिक्री की जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2011–12 में 1218.47 लाख रुपयें, वर्ष 2012–13 में 1479.25 लाख रु. एवं वर्ष 2013–14 में रु. 1572.88 लाख की बिक्री एवं 2014–15 में 1478.80 लाख रूपये की बिक्री हुई है। वित्तीय वर्ष 2015–16 में 2412.03 लाख रुपये की रिकॉर्ड बिक्री की गयी है तथा वर्ष 2016–17 में 1297.63 लाख, 2017–18 में 1247.28 एवं 2018–19 में 1519.47 लाख एवं वर्ष 2019–20 में रू 1157.25 लाख की बिकी की गयी है, वर्ष 2020–21 में 1860.20 लाख रूपये की बिकी की गयी है तथा वर्ष 2021–22 में रू0 1094.63 लाख रू0 की बिकी की गई है। 21 मार्च, 2022 से 20 दिसम्बर, 2022 तक रू0 878.81 लाख की बिकी की गई है।

(प्रतीक झाझड़िया)
प्रबंध निदेशक